ग्राम विकास योजना

(VDP)

जलाड़ी गाँव

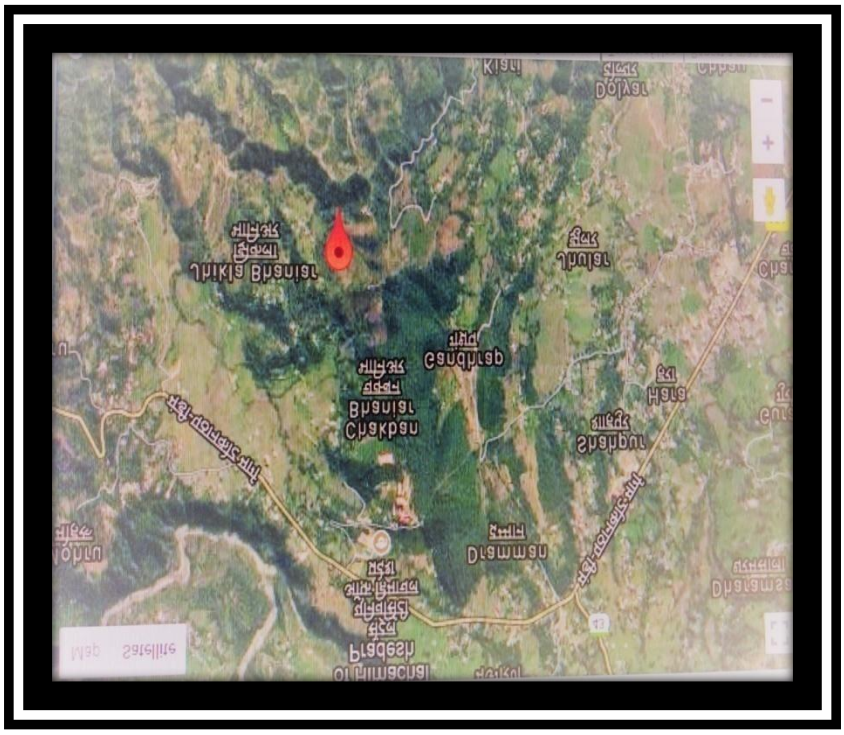

अंगीकृत द्वारा

Central University of Himachal Pradesh

(Established under Central Universities Act 2009)

PO Box: 21, Dharamshala, District Kangra,

Himachal Pradesh-176215

संक्षिप्त विवरण

- **पंचायत:** मंझग्रा
- **खण्ड (ब्लॉक):** रैत
- **तहसील:** शाहपुर
- **जिला:** कांगड़ा
- **प्रान्त:** हिमाचल प्रदेश
- **धर्म:** हिन्दू (100%)
- **भौगोलिक स्थिति:** 32^0 13’ 0” उतर, 76^0 11’ 0” पूर्व
- **जिला केंद्र धर्मशाला से दूरी:** 30 कि.मी.
- **राज्य की राजधानी शिमला से दूरी:** लगभग 250 कि.मी.

कुल जनसँख्या	पुरुष	महिला
361	181	180

मूलभूत सुविधाएँ:

शिक्षा	साक्षरता दर 90.03%
घर	100%
पानी	आपूर्ति तीसरे दिन
बिजली	24 घंटे
स्वास्थ्यकेंद्र	नहीं(गाँव से 3 कि.मी.दूर)
सड़क (गाँव के लिए)	है
सरकारी योजनाओं की जानकारी	10% लोग मात्र

स्वच्छता:

शौचालय	100% हैं
कचरा प्रबंधन व्यवस्था	नहीं

अध्याय-1

गाँव की अवस्थिति

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत दोपंचायतों मंझग्रा तथा सिहुवां के पांच गाँव को गोद लिया है , इसमें तीन गाँव (मंझग्रा ,भनियारतथा जलाड़ी) मंझग्रा पंचायत के और दो गाँव (छतड़ी/पैहड तथा सिहुवां) सिहुवां पंचायत के लिए गये हैं| जलाड़ी वार्ड में जलाड़ी गाँव व निचला भनियार गाँव आता है | शिवालिक पहाड़ियों में बसने वाला जलाड़ी गाँवहिमाचल प्रदेश के जिला काँगड़ा की शाहपुर तहसील में स्थित है| यह गाँव ठीक धौलाधार पर्वत श्रेणी के सामने स्थित है| मानचित्र में लाल रंग के चिन्ह के आस -पास का जो क्षेत्र है वो जलाड़ी गाँवहै | इस पंचायत के बीचों बीच राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरता है तथा जलाड़ी गाँव से राष्ट्रीय राजमार्ग लगभग2.5 किलोमीटर दूर है|

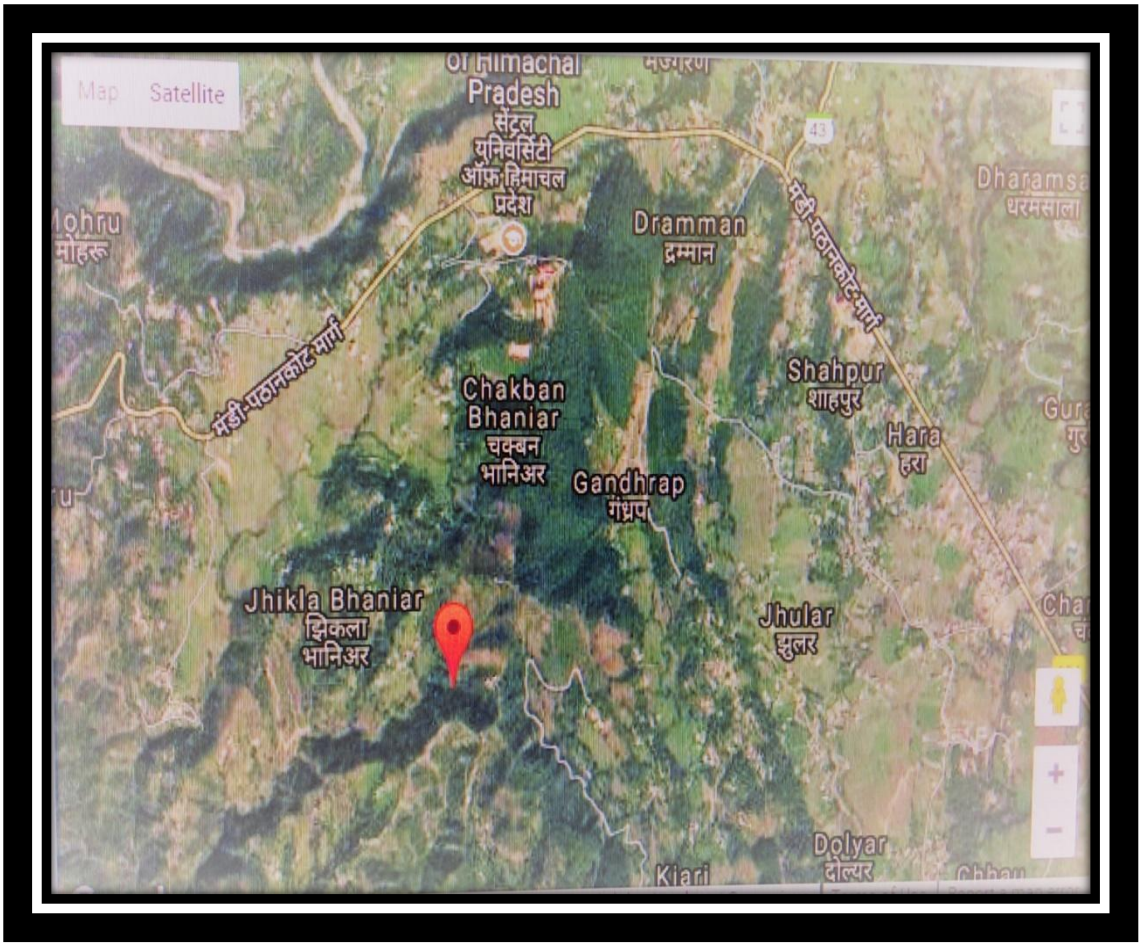

गाँव का गूगल मैप द्वारा दिया गया उपग्रह चित्र

1.1 इतिहास एवं संस्कृति

इस गाँव के साथ साथ अगर इस पंचायत की बात करें तो इसका इतिहास सैंकड़ो वर्ष पुराना है| लोगों के अनुसार यह गाँव मुगलकाल से पहलेका है| इस गाँव के नजदीक ब्रिटिशकालीन एक किला है जो जलाड़ी गाँव से लगभग 1 से 2 किलोमीटर दूरी पर है| इस गाँव में पुराने समय से चले आ रहे त्योहारों और मेलों का बहुत पुराना इतिहास है| इस समयभी लोग इन त्योहारों ओ र मेलों को हर्ष तथा उत्सुकता से मनाते हैं, जैसे शिवरात्रि का मेला, कुश्तियां, सायर(फसलोंके पकने के समय), कृष्ण जन्माष्टमी एवंसमय–समयपर अन्य स्थानीय त्योहारों का आयोजन किया जाता है| यहाँ पर डोगरी एवं पहाड़ी बोलियों का प्रचलन है और यहाँ की अधिकारिक भाषा हिंदी है | गाँव में सभी परिवार हिन्दू हैं| इन सभी परिवारों की पूजा पद्धति हिन्दू है | इस गाँव की पंचायत केपहले सरपंच सूबेदार उधम सिंह (1946 से 1959) थेऔर वर्तमान (2017) में पंचायत के प्रधान श्री मान देवराज मन्हास हैं|

1.2 भौगोलिक स्थिति

गाँव की भूमि कही ऊँची तथा कहीं नीची है| गाँवके पास एक नदी बहती है जो इस पंचायत के किनारे पर स्थित है तथा जलाड़ी गाँव से 3 कि.मी. कीदूरी पर है|इस गाँव में एक नाला हैजिसमें लगभग12महीने पानी रहता है| गाँव के पास जंगल है जिसकी गाँव से दूरी लगभग 200 से 300 मीटर है|

गाँव वालों के अनुसार जंगल में होने वाली वनस्पति पशुओं के खाने के काम नहीं आती है,क्योंकि इस वन में कुछ सालों से पंचफूली (Camara Lantana) नामकझाड़ी तथा गाजर घास (Congress grass) जैसे खरपतवार फ़ैलगयी है| जिसकेकारण जंगल में अन्य घास नहीं होती है और इसे पशु भी नही खाते हैं|

1.3 मौसम

वर्ष भर यहाँ मौसम तीन प्रकार का रहता है:

- **ग्रीष्म ऋतु:** यह ऋतु अप्रैल से जून तक होती है,इस समय तापमान 35 से 40 डिग्री तक पहुँच जाता है|
- **वर्षा ऋतु:** यह ऋतु जुलाई से सितम्बर तक होती है , इस समय यहाँ खूब वर्षाहोती है| भारत में धर्मशाला दूसरा ऐसा स्थान है जहाँ सबसे ज्यादा वर्षाहोती है और जलाड़ी गाँव धर्मशाला से लगभग 30 कि.मी. की दूरी पर स्थित है|
- **शरद ऋतु:** यह ऋतु अक्टूबर से मार्च तक होती है| इस जगह ठण्ड भी खूब होती है| इस समय तापमान 10 से 20 डिग्री तक रहता है, कभी – कभी तो तापमान 10 डिग्री के नीचे भी चला जाता है|

1.4 ग्राम पंचायत की प्रशासनिक स्थिति

- **ग्राम पंचायत की सरंचना:** ग्राम पंचायत में कुल 7 वार्ड हैं उसमे से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत मंझग्रा पंचायत के तीन वार्ड लिए गए हैं| रेवेन्यु के अनुसार इस पंचायत में आठ गाँव हैं |ग्राम पंचायत में एक प्रधान, एक उप प्रधान तथा प्रत्येकवार्ड का एक वार्ड पञ्च है| इस पंचायत में लगभग पांच हजार जनसँख्या है|
- **ग्राम पंचायत द्वारा किये जाने वाले क्रिया -कलाप:** ग्राम पंचायत द्वारा किये जाने वाले कार्य इस प्रकार हैं: -हरमाह जनरल जलास किया जाता है| गाँव में साल में चार बार ग्राम सभा की जाती है, और साल में 3 से 4 विशेष ग्राम सभाएं भी की जाती हैं|गाँव की समस्याओं का निपटारा, विकास कार्यों का क्रियानव्यन एवं उनकी समीक्षा, विभिन्न सरकारी योजनाओं का पंचायत स्तर पर सुचारू रूप से क्रियान्वयन(मनरेगा,राशन कार्ड बनाना, बी.प.एल. सूची बनाना, आदि), नए कार्यों की सूची बनाना औरसरकार द्वारा चलाई गईयोजनाओं की लोगों को जानकारी देना|
- **पंचायत में महिलाओं की सहभागिता:** ग्रामपंचायत के 7 वार्डों में से 4 वार्डों में महिला वार्ड पंच हैं|
- **पुस्तकालय:** इस गाँव में तथा सारी पंचायत में कहीं भी पुस्तकालय नहीं है | पुस्तकालय इस गाँव से 30 किलोमीटर दूरजिला मुख्यालय धर्मशालामें स्थित है| यह

जिला पुस्तकालय है| इसपंचायत में विश्वविद्यालय द्वारा एक पुस्तकालय चलाने का प्रयास किया था परन्तु वह असफल रहा|

- **किसान समूह:** सर्वेक्षण के दौरान पता चला की जलाड़ी गाँव में कहीं भी किसानों केस्वयं सहायता समूह नहीं हैं|
- **युवा क्लब:** सर्वेक्षणके समय गाँव के युवाओंसेजानकारी प्राप्त हुई कि इसगाँव में युवा क्लब भी नहीं है | तथा इस गाँव के युवाओं को नेहरु युवा केंद्र से सम्बंधित कोईभी जानकारीनहीं है|
- **स्वयं सहायता समूह :** इस पंचायत के सात वार्डों में स्वयं सहायता समूह हैं जो आंगनबाड़ी एवं महिला मण्डल के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं|
- **सहकारी समिति:** सर्वेक्षण के दौरान एवं गाँव के लोगों, पंचायत प्रधान तथा अन्य से पूछने पर पता की इस जलाड़ी गाँव में तो कोई सहकारी समिति नहीं है परन्तु इस पंचायत में एक समिति गाँव द्वारा तथा वन विभाग द्वारा एक –एक समिति बनाई गई थी| गाँव के लोगों तथा पंचायत प्रधान के अनुसार यह समितियां लगभग 60 से 70 साल पुरानीं हैं| वर्तमान में वन विभाग की समिति कार्य कर रही है परन्तु लोगों द्वारा बनाई गयी समिति वर्तमान में सक्रिय नहीं है|

1.5 बुनयादी एवं नागरिक सुविधाएँ

- **सार्वजनिक वितरण केंद्र (डिपो):** जलाड़ी गाँव में कोई भी वितरण केंद्र नहीं है| इसगाँव का वितरण केंद्र गाँव से 3किलोमीटरकीदूरीपरहै| यहवितरण केंद्र दूसरी पंचायत के छतड़ी गाँवमें स्थित है|
- **बिजली:** गाँव में बिजली की किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है| यहाँ पर बिजली की आपूर्ति 24 घंटे रहती है| बिजली जाने की कोई ज्यादा समस्या नहीं है परन्तु इस क्षेत्र में बिजली की वोल्टेज में थोड़ा उतार चढ़ाव होता है|इसके अतिरिक्त लोगों काकहना है कि कभी-कभीबिल ज्यादाआता है|

- **स्वच्छता:** सर्वेक्षण के दौरान यह पाया कि गाँव शहरों की तुलना में अधिक साफ़ होते हैं| कुछ साल पहले गाँव के लोग स्वच्छता के मामले मेंकाफी जागरूक होते थे परन्तु जैसे जैसे लोगों का शहरीकरण हो रहा है वैसे वैसे लोग स्वच्छता के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं| गाँव में सर्वेक्षण के दौरान पाया कि गाँव के लोग अपने घरों का कूड़ा कर्कट बाहर फेंकते हैं| कई बार लोग कूड़े को नदियों, नालों, तथापीने केस्त्रोतों के पास फेंक देते हैं| कुछ लोग कूड़े को इकट्ठा करके जला देते हैं| गाँवमें सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि कुछ लोग शौच के लिए बाहर खुले में जाते हैं| जो लोग खुले में शौच जाते थे उनको खुले में ना जाने के लिए जागरुक किया, जिन लोगों के पास शौचालय नहीं थे उनको जिलाप्रशासन के सह योग से शौचालय बनाने के लिए कुछ मदद भी की | गाँवकेलोग स्वच्छता के लिए ज्यादा जागरुक नहीं हैं|गाँव में ठोस तथा तरल प्रबंधन की लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है|
- **खेल एवं मनोरंजन सुविधा:** गाँव में खेल सुविधाएँ शुन्य हैं| गाँव में खेलने के लिए न ही कोई खेल का मैदान है और न ही कोई खेल अकादमी| लोगों ने कभी इस ओर धयान ही नहीं दिया| न ही यहाँ किसी प्रकार की कोई मनोरंजन की सुविधा है|
- **अन्य सामूहिक सुविधाएँ:** यहाँ केवल दो महिला मण्डल भवन और एक सामुदायिक भवन है| जिनका प्रयोग लोग गाँव में होने वाले कार्यक्रमों के लिए भी करते हैं|
- **डाक घर:** यह गाँव मंझग्रा पंचायत में है परन्तु इसका डाक घर सिहुंवा पंचायत के छतड़ी गाँव में पड़ता है, जो जलाड़ी गाँव से 2.5 से 3 किलोमीटर है|
- **दूरसंचार सुविधा:** गाँव में लगभग सभी घरों में दूरसंचार की सुविधा उपलब्ध है| प्रत्येक घर में कम से कम दो मोबाइल फोन हैं | इस गाँव में लगभग सभी कम्पनियों के सिम कार्ड के नेटवर्क की सुविधा रहती है परन्तु कभी -कभी सिग्नल की समस्या आती है| गाँव के अधिकतर लोग फोन सुनने तथा फोन करने तक ही सीमित हैं, बहुत ही कम लोग हैं जो email का प्रयोग करना जानते हैं|
- **टेलीविजन:** गाँव के सभी घरो में टेलीविज़न हैं| ऐसा कोई घर नहीं है जहाँ टेलीविज़न ना हो| लगभग सभी घरों में केवल चैनल की सुविधा उपलब्ध है|

- **पाठशाला:** जलाड़ी गाँव में एक सरकारी प्राथमिक पाठशाला है, जिसकाआधा भवन गिर गया है तथा दो कमरे पक्के बनाये गये हैं जिसमे वर्तमान में पहली से पांचवीं कीकक्षाएंचलती हैं| इस पाठशालामेंदो ही अध्यापक हैं| इस सारी पाठशाला में पहली से पांचवीं तक केवल 10 से 15 ही बच्चें हैं| बाहरवीं तक की पाठशाला इस गाँव से 3 किलोमीटर की दूरी पर है| पांचवीं से आगे पढ़ने के लिए बच्चे सरकारी स्कूल के लिए 3 किलोमीटर दूर जाते हैं| इस गाँव से इतनी ही दूरी पर एक निजी पाठशाला भी है |
- **महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा तकनीकी महाविद्यालय:** इस गाँव में तो कोई महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालयनहींहै परन्तु जलाड़ी गाँव से 2 किलोमीटर की दूरी पर एक महाविद्यालय एक विश्वविद्यालय तथा एक तकनीकी महाविद्यालय है| महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय सरकारी हैं| विश्वविद्यालयका भवन यहाँअस्थाई है| तकनीकी महाविद्यालय सरकारी न होकर निजी है |
- **आंगनबाड़ी:** जलाड़ी गाँव में दो आंगनबाड़ी केंद्र हैं| इसमें एक केंद्र जलाड़ी तथा दूसरा केंद्र निचला भनियार में है| इन आंगनबाड़ी केन्द्रों में एक -एक शिक्षिका तथा एक-एक सहायिका मौजूद है|

अध्याय-2

आंकड़ों सहित विवरण

मानव विकास के अंतर्गत कुछ आधारभूत सरंचना है जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा तथा गरीबी| स्वास्थ्य में पोषण और स्वच्छता शामिल है| शिक्षा में बचपन की देखभाल, स्कूलऔर उच्च शिक्षा शामिल है| गरीबीमें स्थानीय स्तर पर गरीबों और सेवा वितरण के संस्थान शामिल हैं|

2.1 जन्संख्याकीय जानकारी

- **परिवारों की संख्या**: सर्वेक्षण के अनुसार इस गाँव में 87 घर हैं| इसमें दो (2) घर अनुसूचित जनजाति के, उनतालीस(39) घर अन्य पिछड़ा वर्ग के तथा छयालिस (46) घर सामान्य वर्ग के हैं| इस गाँव में अनुसूचित जाति का कोई भी घर नहीं है|

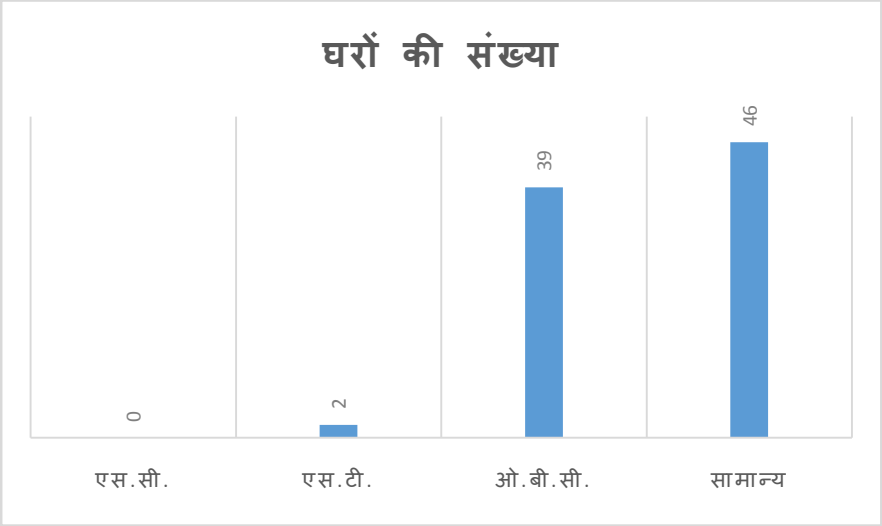

- **जनसंख्या एवं लिंगअनुपात:** जलाड़ी गाँव में अगर लिंग अनुपात निकाला जाए तो प्रति 1000 पुरुषों में 994 महिलाएं हैं| आयु के अनुसार यदि संख्या देखें तो इस प्रकार होगी| इस गाँव की कुल जनसँख्या 361 है, जिसमें 181 पुरुष तथा 180 महिलाएं हैं|
- **आयु के अनुसार जनसंख्या एवं प्रतिशतता:**

आयु	महिला	पुरुष	कुल
0-5 सालकीआयुकेबच्चोंकीसंख्याएवं%	14, 77.78%	4, 22.22%	18

6-18 साल केआयुवालोंकीसंख्याएवं%	29, 45.31%	35, 54.69%	64
19-45 सालकेआयुवालोंकीसंख्याएवं%	78, 46.71%	89, 53.29%	167
46 और इससेअधिकवालोंकीसंख्याएवं%	59, 52.68%	53, 47.32%	112
कुल संख्या	**180**	**181**	**361**

यदि प्रति परिवार औसत निकाली जाये तो प्रति परिवार चार सदस्य औसत आएगी|

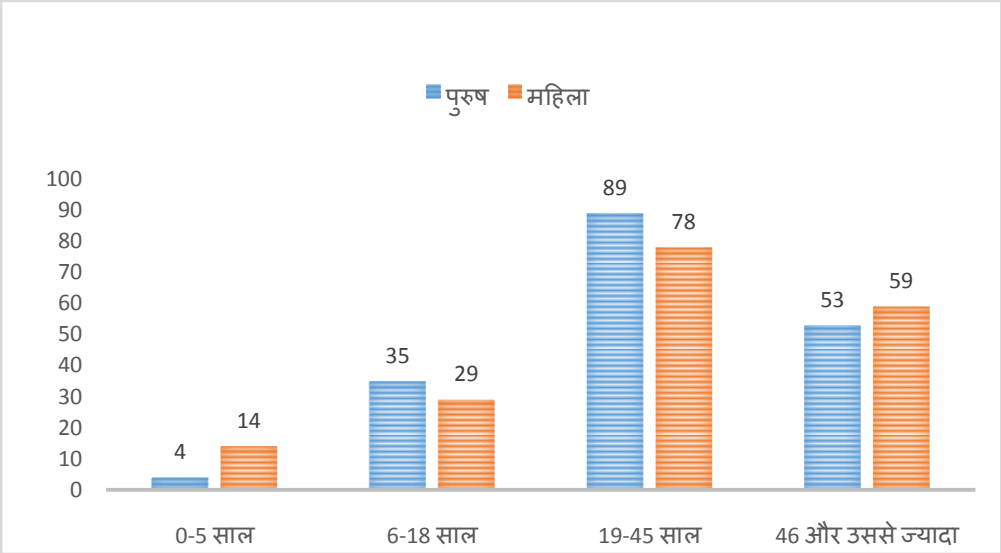

- **जाति के अनुसार आधार कार्ड धारक:**

जाति	आधार वाले	बिना आधार के	कुल
एस.सी.	0	0	0
एस.टी.	9	0	9
ओ.बी.सी.	161	0	161
सामान्य	184	7	191
कुल	**354**	**7**	**361**

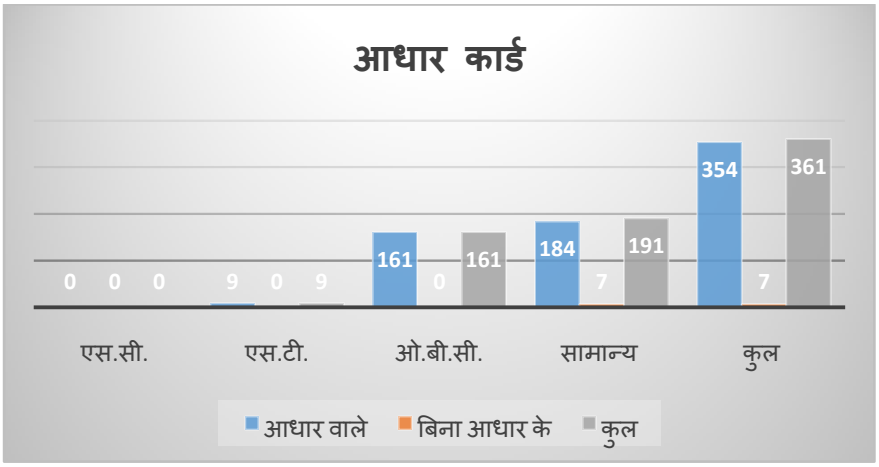

➢ सरकारी योजनाओं में लाभार्थी:

क्रमांक	नाम	लाभार्थी लोगों की %
1	पी.एम.जन धन योजना	2.22
2	सुकन्या समृधि योजना	2.22
3	मुद्रा योजना	0
4	जीवनज्योतिबीमा योजना	1.39
5	सुरक्षा बीमा योजना	1.11
6	अटल पेंशन योजना	0
7	कौशल विकास योजना	0
8	लाडली लक्ष्मी योजना	0
9	जननी सुरक्षा योजना	0

➢ सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले परिवार:

क्रमांक	नाम	लाभार्थी परिवारों का %
1	पी.एम.उज्जवला योजना	0
2	पी.एम.आवास योजना	0
3	फसलबीमायोजना	3.37
4	कृषि सिंचाई योजना	0

5	जन औषधि योजना	0
6	स्वच्छ भारत मिशन टॉयलेट	4.49
7	स्वस्थमिट्टी कार्ड	0
8	किसान क्रेडिट कार्ड	4.49

- **गरीबी रेखा तथा जाति के आधार पर परिवारों का वर्गीकरण:**

गाँव के सर्वेक्षणकेदौरान पायाकि गाँवमें अभी तक कुछ लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं| सांसद आदर्श गाँव योजना(SAGY) के अंतर्गत गाँव में स्वयं सहायता समूह बनाने का भी प्रावधान है परन्तु गाँव में अभी ऐसे कोई भी समूह देखने को नहीं मिले हैं|

जाति	**बी.पी.एल.**	**ए.पी.एल.**	**कुल**
एस.सी.	0	0	0
एस.टी.	1	1	2
ओ.बी.सी.	8	32	40
सामान्य	7	38	45
कुल	**16**	**71**	**87**

सर्वेक्षण के दौरान गाँव में पता चला कि कुछ लोगों की वार्षिक आय 25000 तथा इससे कम है| 25000 से कम वार्षिक आय वाले परिवारोंकी संख्या पंद्रह(15) है| तीस हजार से चालीस हजार के मध्य वार्षिक आय वाले परिवारों की संख्या 4 है |

2.2 बैंक एवं वित्तीय स्थिति

गाँव की बात करें तो गाँव में ऐसा कोई भी संस्थान नहीं हैजिसमें लोग आर्थिक रूप से लेन-देन कर सकें| यह कह सकते हैं कि गाँव में कोई भी बैंक नहीं है| गाँव से बैंक 3किलोमीटर दूरी पर स्थित है| गाँव से 3 किलोमीटर कीदूरी पर ग्रामीण बैंक, कांगड़ा सहकारी बैंक, तथा एक निजी बैंक HDFC हैं| अन्य बैंक गाँव से 5 से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं:

बैंक	PNB	Canara	UCO	Kangra Coop. Bank	SBI	HDFC	GRAMIN Bank
दूरी	5	5	5	3	5	3	3

- **जाति के आधार पर बैंक में लोगों का खाते:**

जातिका वर्गीकरण	खाता धारक	बिना खाते के	कुल
SC	0	0	0
ST	9	0	9
OBC	131	30	161
GEN	162	29	191
कुल	302	59	361

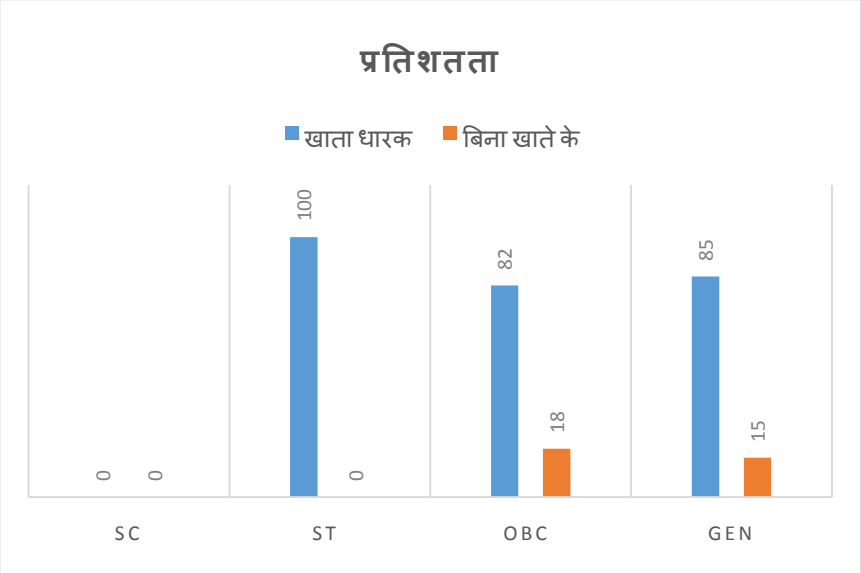

2.3 मूलभूत सुविधाएँ

- **शिक्षा:** गाँव की कुल साक्षरता दर 90.03 प्रतिशत है| पुरुषसाक्षरता दर 95.58 प्रतिशत है औरमहिला साक्षरता दर 84 .44 प्रतिशत है| गाँव में 173 पुरुष तथा 152 महिलाएंसाक्षर हैं|

क्र.	मद (Items)	संख्या	प्रतिशतता
1	पढ़े लिखे पुरुषों की संख्या	173	95.58%
2	पढ़ी लिखी महिलाओं की संख्या	152	84.44%
3	कुल	325	90.03%

इसमें स्कूल शिक्षा इसके साथ-साथ उच्च शिक्षा को लिया गया है| इसमें गाँव में स्थित शिक्षा के साधनों तथा इनकी दूरी को बताया गया है|

अभिगम	सरकारी संस्थान	निजी संस्थान	सरकारी संस्थान दूरी (km)	निजी संस्थान दूरी (km)
आंगनबाड़ी	2	0	0	-
प्राथमिक स्कूल	1	0	0	-
सेकेंडरी स्कूल (6^{th}से12^{th})	1	2	3	2.5
महाविद्यालय	1	0	2	-
विश्वविद्यालय	1	0	2	-
तकनीकी महाविद्यालय	0	1	-	2
आई. टी. आई.	1	1	4	8

गाँव के अधिकतर लोगों के बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ते हैं, सरकारी स्कूलों में केवल उन्हीं के बच्चे पढ़ते हैं जो बहुत ही गरीब हैं या जो लोगबाहर से आकर यहाँ मेहनतमजदूरीकरते हैं| सरकारी स्कूलों में दिन प्रतिदिन बच्चों की संख्या कम होती जा रही है|

विभिन्न शिक्षा स्तर पर पुरुष तथामहिलाओं की संख्या:

शिक्षा स्तर	पुरुष	महिला
अनपढ़	8	28
साक्षर(बहुत कम पढ़े)	20	23
पांचवीं तक	14	22
आठवीं	19	25
दसवीं	40	21
बारहवीं	42	24
आई.टी.आई.डिप्लोमा	6	0
स्नातक	19	23

परास्नातक/व्यावसायिक	13	14
कंप्यूटर	69	37

जाति के अनुसार स्कूल जाने वाले बच्चों तथा वयस्कोंकी साक्षरता:

जाति	वर्ग	बच्चे			व्यस्क		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
एस.सी.	बी.पी.एल.	0	0	0	0	0	0
	ए.पी.एल.	0	0	0	0	0	0
एस.टी.	बी.पी.एल.	2	1	3	3	2	5
	ए.पी.एल.	0	0	0	3	0	3
ओ.बी.सी.	बी.पी.एल.	5	0	5	15	0	15
	ए.पी.एल.	18	10	28	60	57	117
सामान्य	बी.पी.एल.	3	4	7	14	13	27
	ए.पी.एल.	6	11	17	78	70	148
कुल	बी.पी.एल.	10	5	15	10	5	15
	ए.पी.एल.	24	21	45	24	21	45

- **स्वास्थ्य:** स्वास्थ्यमानव विकास के लिए बहुत ही महत्व पूर्णघटक है| जन्म के बाद से जीवन चक्र के साथ, तथा जीवन के अंत तक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है|चर्चाकरने वाले बिंदु इस प्रकार हैं|

स्वास्थ्य संस्थानों की जानकारी

स्वास्थ्य संस्थान	संख्या	दूरी(km)
उप केंद्र	0	0
प्राथमिकस्वास्थ्य केंद्र	1	3
डिस्पेंसरी	0	0
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	0	0
अन्य सरकारी हॉस्पिटल	1	5

आधारिक सरंचना

जलाड़ी गाँव की सीमा के अंदर कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं है |और न ही यहाँ पर कोई चिकित्सालय का भवन है|

गाँव के लिए जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रबनाया गया है वो गाँव से लगभग 3 कि.मी. की दूरी पर है| इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत दो पंचायतों का क्षेत्र आता है| इस भवन की स्थिति अच्छी है|

इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाइयों की आपूर्तिअच्छीरहती है, समय-समय परस्वास्थ्य केंद्र पर दवाइयों की सुविधा उपलब्ध रहती है | छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज की सुविधा, टीकाकरण की सुविधा यहाँ उपलब्ध है|

जाँचऔर नैदानिक सुविधाएँ:-ऐसाकहा जाये की गाँव में कोई जाँच सुविधा है तो वहनहींहै| स्वास्थ्य विभाग की और से गाँव में लोगों की जाँच के लिए कोईनहीं जाता है| सरकार द्वारा चलायी जाने वाली बालबाड़ी तथा आशा वर्कर गाँव में छोटेबच्चों तथा उनकी माताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती हैं, तथा प्रति माह बच्चों तथा माताओं को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताती हैं|

पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली का विवरण:- यहाँ पर परंपरागत समुदाय पर आधारित स्वास्थ्य प्रणाली शून्य के बराबर है| वर्तमान में लोगों को औषधीय जानकारी नहीं है| गाँव में बहुत ही कम लोग हैं जो योग के बारे में जानकारी रखते हैं, अधिकतर लोगों को योग के बारे में जानकारी नही है|

गाँव में होने वाली बिमारियां:-
आयु के बढ़ने के कारण होने वाली बीमारी: जोड़ो के दर्द, साँस की बीमारी|
मौसम में परिवर्तन के कारण होने वाली बीमारी: सर्दी-जुखाम,खांसी,बुखार|
गाँव के लोगों को होने वाली कुछ बड़ी बीमारियाँ

क्र.स.	**बीमारी**	**संख्या**
1	मानसिक रोग	3
2	हृदय	6
3	लीवर	1
4	लकवा	1
5	किडनी	1
6	आधे सिरका दर्द	1

इसके अलावा गाँव के लोगों में मधुमेह तथा रक्तचाप (उच्च रक्तचाप एवं निम्न रक्तचाप) की ज्यादा समस्या पाई गयी है|

- **पीने योग्य पानी की सुविधा:**

गाँव में पीने के पानी के जो साधन हैं वो इस प्रकार हैं:

गाँव में पीने के पानी की उपलब्धता	साधनों की संख्या
घरों में पानी के नल	79
सामुदायिक नल	5
हैण्ड पंप(सार्वजानिक)	1
कुएं	1
अन्य स्त्रोत	0

गाँव में पानी के लिए दो कुएं हैं परन्तु पीने के लिए एक ही कुएं का प्रयोग किया जाता है, एक कुआँ जो खराब हो गया है वो जलाड़ी वार्ड के निचला भनियार गाँव में स्थित है| गाँव के लोग अधिकतर नल के पानी पर ही निर्भर हैं, नल में पानी भी तीसरेदिन आता है| गाँव में दो हैंडपंप हैं, एक हैंडपंप निजी है और एक हैंडपंप सरकारी है लेकिन सरकारी हैंडपंप का पानी पीने योग्य नहीं है|

- **स्वच्छता**

घरेलू अपशिष्ट संग्रह प्रणाली (Household waste collection system)

घरेलूअपशिष्ट संग्रह प्रणाली	गाँव के आंकड़े
डॉर स्टेप	1
सार्वजानिक जगह(common पॉइंट)	0
कोई संग्रह प्रणाली नहीं	86

सर्वेक्षण के दौरान यह पाया कि गाँव शहरों की तुलना में अधिक साफ़ होते हैं| कुछ साल पहलेकी बात करें तो गाँव के लोग स्वच्छता के मामले मेंकाफी जागरूक होते थे परन्तु जैसे जैसे लोगों का शहरीकरण हो रहा है वैसे वैसे लोग स्वच्छता के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं| गाँव में सर्वेक्षण के दौरान पाया कि गाँव के लोग अपने घरों का कूड़ा कर्कट बाहर फेंकते हैं| कई बार लोग कूड़े को नदियों, नालों, तथा पीने केस्त्रोतों के पास फेंक देते हैं| कुछ लोग कूड़े को इकट्ठा करके जला देते हैं|

घरों की जल निकासी (नालियों के द्वारा)

जल निकासी	गाँव के आंकड़े
ढकी हुई(covered)	3
खुली	15
कोई सुविधा नहीं	69

खाद के गड्ढ़ों की जानकारी

गड्ढ़े	आंकड़े
व्यक्तिगत	0
सामूहिक	1
कोई नहीं	86

जाति के आधार पर शौचालय और बिना शौचालय के परिवारों के आंकड़े

जाति	शौचालयवाले	बिना शौचालय के	कुल
एस.सी.	0	0	0
एस.टी.	2	0	2
ओ.बी.सी.	40	0	40
सामान्य	43	2	45

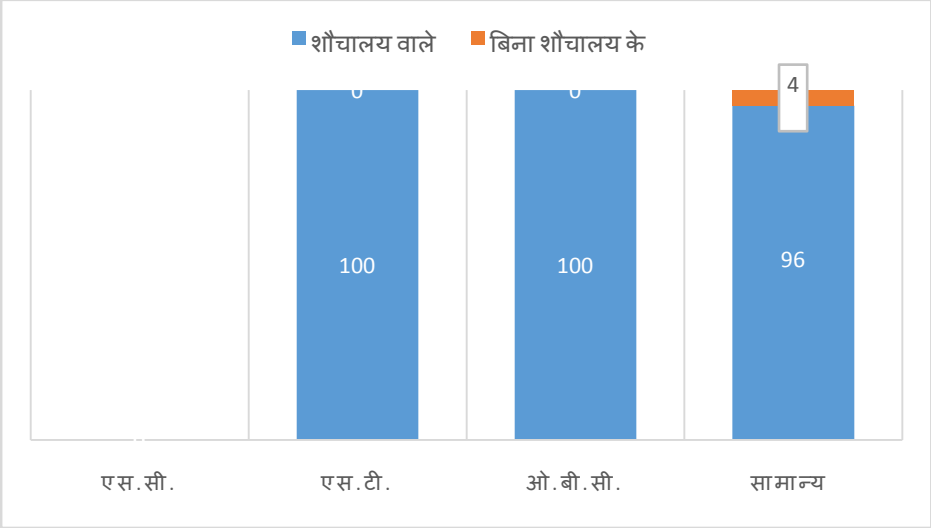

गाँव में सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि कुछ लोग शौच के लिए बाहर खुले में जाते हैं| जो लोग खुले में शौच जाते थे उनको खुले में ना जाने के लिए जागरुक किया, जिन लोगों के पास शौचालय नहीं थे उनको जिला प्रशासन के सहयोग से शौचालय बनाने के लिए कुछ मदद भी की| गाँवके लोग स्वच्छता के लिए ज्यादा जागरुक नहीं हैं|गाँव में ठोस तथा तरल प्रबंधन की लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है|

➢ गाँव में बुनयादीगत ढांचे एवं सेवाएं

घरों के प्रकार

गाँव में लोगों के निवास या घरों को देखें तो कुछ लोग पक्के तथा कुछ लोग कच्चे घरों में रहते हैं | इसमें 58 घर पक्के हैं, 18 घर कच्चे तथा 11 घर आधेकच्चे \ पक्के हैं|

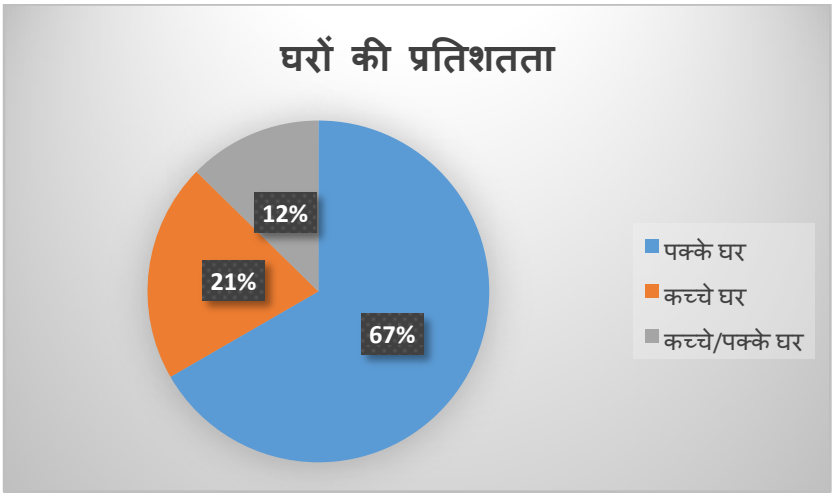

जाति के आधार पर घरों की स्थिति

जाति	कच्चा	पक्का	आधाकच्चा/ पक्का	बिना घर के
एस.सी.	0	0	0	0
एस.टी.	0	1	1	0
ओ.बी.सी.	10	27	2	0
सामान्य	8	30	8	0

गाँव के लिए सड़क

जिस पंचायत में यह गाँव है उस पंचायत के बीचों -बीच राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरता है| राष्ट्रीय राजमार्ग से गाँव के लिए एक छोटी सड़क बनाई गयी है| गाँव राष्ट्रीय राजमार्ग से 2.5 - 3 किलोमीटर की दूरी पर है | गाँव के लिए जो सड़क बनाई गयी है उसकी कुल लम्बाई 10 किलोमीटर है| यह सारी सड़क पक्की है| इस सड़क को बनाए हुए लगभग 40 से 45 साल हो गये हैं| गाँववालों का कहना है कि इस सड़क पर सरकार द्वारा यातायात की कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई है| जिससे लोगों को आने –जाने में परेशानी होती है| जिन लोगों के पास अपने वाहन हैं वे लोग तो अपने वाहनों से आते-जाते हैं परन्तु अधिकांश लोगोंको पैदल ही आना-जाना पड़ता है|गाँव में कुछ घर ऐसे हैं जहाँ गाड़ी के योग्य रास्ता नहीं है| ऐसे में वृद्ध तथा बीमार लोगों को लाने और ले जाने में कठिनाई आती है|

गाँव की राष्ट्रीय राजमार्ग से दूरी(कि.मी.)		2.5 से 3	
गाँवको जोड़ने वाली सड़क		पक्की	
1.सड़क की लम्बाई (कि.मी.)	10	**2.कितने साल पहले बनी**	40
3.किस स्कीम के अंतर्गत बनी	PWD	**4.वर्तमान स्थिति(पूरी/अधूरी)**	पूरी
आंतरिक सड़क की लम्बाई	1.5	0.5	2
यातायातका साधन		निजी वाहन	
यातायातके साधन की उपलब्धता		ना के बराबर	

गाँव में बुनयादी गत सुविधाएँ/ सेवाएं

	गाँव में (है या नहीं)	**संख्या**	**दूरी (कि.मी.)**
बैंक/ए. टी.एम.	नहीं	1	5
स्वयं सहायता समूह(SGH`s)	नहीं	0	0
गैर सरकारी संस्था(NGO`s)	नहीं	0	0
डाकघर	नहीं	1	3
गैस एजेंसीज	नहीं	1	6
बिजलीकार्यालय	नहीं	1	6

पेट्रोल पंप	नहीं	1	4
किसान सेवा केंद्र	नहीं	0	0
कृषिमंडी	नहीं	1	35
उचित मूल्य की दूकान	है	1	3
दूध संग्रह केंद्र	नहीं	0	0
रेलवे स्टेशन	नहीं	1	36
बस ठहराव	नहीं	1	3
पशुचिकित्शाल्य	नहीं	1	6
खेल सुविधा/ मैदान	नहीं	0	0
सामान्य स्वच्छता परिसर	नहीं	0	0
पुस्तकालय	नहीं	0	0
पुलिस थाना	नहीं	1	6

बाज़ार

गाँव में बाज़ार की कोई सुविधा नहीं है,गाँव के लोगों को छोटे से छोटे सामान के लिए 3 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है| विवाहएवं अन्य छोटे बड़े कार्यक्रमों की खरीददारी के लिए लगभग 5 से 6 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है|

उद्योग

गाँव में किसी प्रकार का छोटा या बड़ा कोई उद्योग नहीं है| गाँव के जो लोग उद्योगों में काम करते हैं वे सभी घर से बहुत दूर रहते हैं| सर्वेक्षण के अनुसार यह पाया कि कुछ लोग जो हस्तनिर्मित वस्तुओं का निर्माण करते हैं वे बहुत ही कम संख्या में हैं| गाँव में छोटे स्तर का तो कोई उद्योग नहीं है| लेकिनगाँव में दोआटा चक्की (गेहूं, मक्की,पीसने की मशीन) हैं| गाँव के सभी लोग खेतों में उत्पादित गेहूं तथा मक्की को इन्हीं मशीनों में पिसवाते हैं, तथा धान को कूटवाते हैं| सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि गाँव में मिस्तरी तथा बढ़ई (लकड़ी की वस्तु बनाने वाले) जाति के लोग रहते हैं, यह लोग पहले अपना पुश्तैनी काम करते थे परन्तु वर्तमान में यह लोग इस काम को नहीं करते हैं|

भण्डारण एवं गोदाम सुविधा

गाँव में कहीं भी किसी प्रकार का कोई गोदाम नहीं है जहाँ किसी सामान का भण्डारण किया जा सके|

2.4 भूमि और कृषि संसाधन

➢ भूमि स्वामित्व स्थिति (Land ownership pattern)

गाँव में लगभग सभी के पास अपनी भूमि है| इसमें 20 परिवार ऐसे हैं जिनके अपने नाम कोई भूमि नहीं है| अधितर लोगों के पास भूमि होने के बावजूद भी बहुत कम कृषि की जाती है| इस गाँव में ऐसा कोई परिवार नहीं है जो कृषि से ही अपनी आजीविका चला सके| खेती करने के बावजूद भी लोगों को आमदनी के लिए अन्य काम करना पड़ता है|

जिन लोगों के पास भूमि नहीं है उनमें से कुछ लोग मजदूरी करते हैं तथा कुछ लोग निजी कंपनी में घर से बाहर कार्यरत हैं | कुछ लोग अपना ही व्यवसाय करते हैं | गाँवकेसर्वेक्षणकेअनुसारबहुतसेलोगजिसमें31 व्यक्तिनिजीक्षेत्रमेंकार्यरतहैंतथा25 व्यक्तिसरकारीक्षेत्रमेंकार्यरतहैं| पूर्णतयासभीपरिवारोंकेलोग फसलोंकेसमयकृषि काकार्य करतेहैं|गाँव में 2 से 4 परिवारों की आजीविका का साधन केवल खेतीबाड़ी ही है , गाँव में बहुत से लोग किसी भी प्रकार के व्यवसाय तथा नौकरी में नहीं हैं तथाबहुत से व्यक्तिमेहनत मजदूरी और कृषि कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं| 10 लोगअपनेघरेलुव्यवसाय में कार्यरत हैं|

क्रमांक	कार्यक्षेत्र	लोगोंकी संख्या
1.	मजदूर	23
2.	कर्मचारी(सरकारी)	25
3.	कर्मचारी (निजी)	31
4.	व्यवसायी	10

➢ भूमि का उपयोग

इस गाँव को दो भागों में बांटा गयाहै, जलाड़ी तथा निचला भनियार| इस गाँव की भूमि का वर्गीकरण इस प्रकार किया गया है| जलाड़ी गाँव में खेती योग्य भूमि सिर्फ 8-55-27

हक्टेयर हैऔर 23-67-94 हक्टेयर ऐसीभूमि है जिसमेकोई खेती नहीं की जाती है, इस गाँव में कुल भूमि 32-23-21 हक्टेयर है| जलाड़ी गाँव की कृषि भूमि वर्षा परही निर्भर है, यहाँ सिंचाई की कोई सुविधा नहीं है | दूसरी और जलाड़ी वार्ड के निचला भनियार गाँव में कुल भूमि 42-36-38 हक्टेयरहै| निचला भनियार में खेती योग्य भूमि 14-33-52 हक्टेयर है और 28-02-86 हक्टेयर भूमि में खेती नहीं होती है | इसमें से 7 -30-58 हक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा है | गाँव में लोग ज्यादातर मक्की, धान, गेहूं की खेती करते हैं जो की आधुनिक यंत्रों तथा परम्परागत तरीकों से की जाती है| इस गाँव के लोगों के अनुसार यहाँ पहले लोग खाद्य फसलके अलावा कपास के भी खेती करते थे परन्तु वर्तमानसमय में लोगों ने इसकी खेती करना बंद कर दी है| इस गाँव के नजदीक वन में वन विभाग द्वारा ही पौधे लगाये जाते हैं| दोनोंवार्डोंके भूमि सम्बन्धी आंकड़े इस प्रकार हैं:

कृषि योग्य भूमि	22-88-27 हेक्टेयर
कृषिअयोग्य भूमि	51-70-50 हेक्टेयर
कुल भूमि	74-59-59 हेक्टेयर
वन क्षेत्र	0
घर/आबादी	आंकड़े नहीं
सिंचाई योग्य क्षेत्र	7-30-58हेक्टेयर

कुल कृषि योग्य भूमि में सिंचाई तथा बिना सिंचाई योग्य क्षेत्र

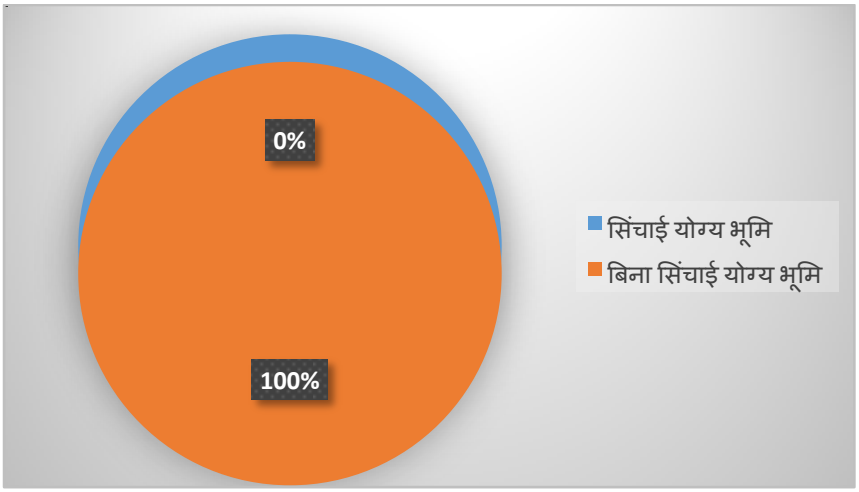

जलाड़ी गाँव में भूमि की सिंचाई की कोईसुविधा नहीं है, गाँव के लोग खेती के लिए वर्षा पर ही निर्भर हैं| जलाड़ी गाँव में भूमि जल स्तर100 से 200 फुट तक है| जबकिइसी वार्ड के निचला भनियार गाँव का जल स्तर 70 से 100 तक है|

परिवार के आधार पर सिंचाई स्त्रोतों की सुविधा

सुविधा	गाँव के आंकड़े
नहर/कुहल	1
नदी	0
बोरवेल	0
अन्य	3
कोई सुविधा नहीं	83

यह कुहल गाँव से थोड़ी दूरी पर है जिसका जलाड़ी गाँव को कोई लाभ नहीं है|

परिवार के अनुसार सिंचाई तरीकों का प्रयोग

सिंचाई प्रयोग	गाँव के आंकड़े
ड्रिप	0
स्प्रिंकलर	0
बाढ़	0
कोई नहीं	87

खादों के प्रयोग (परिवारों द्वारा)

खाद	गाँव के आंकड़े		खादों के प्रयोग की मात्रा(कि.ग्रा./एकड़) की ओसत
रासायनिक खाद	हाँ	44	25.18
	नहीं	43	
रासायनिक कीटनाशक	हाँ	13	1.23
	नहीं	74	
रासायनिक घास नाशक	हाँ	18	1.03
	नहीं	69	
जैविक खाद	हाँ	41	98.93
	नहीं	46	

कृषि उत्पाद

नाम	मात्रा(क्विंटल)
गेहूं	88.50
धान	50.5
मक्की	25
अन्य	0

गाँव में कहीं भी किसी प्रकार का कोई गोदाम नहीं है जहाँ किसी सामान का भण्डारण किया जा सके| गाँव के लोगोंको यदि कहा जाये कि आप कृषि उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास करो और अच्छी किस्म के बीजों का प्रयोग करो, तोलोगोंकी मानसिकता यह है कि इतना ज्यादा उत्पादन को हम कहाँ बेचेंगे| लोग यह नहीं सोचते कि पहले हम उत्पादन को तो बढ़ाएं|

2.5 पशुधन संपत्ति

➢ पशुओं की संख्या, उत्पादकता, निवास और व्यर्थ

गाँव में अधिकतर लोगों के पास पशु हैं| इस गाँव में लगभग सभी घरों में गायें पालीजाती हैं| ज्यादातरगायों की देखरेख महिलाओं द्वारा की जाती है| गाँव में लोगों द्वारा पाले गये कुल पशुओंकी संख्या 98 है| अधिकतरलोगों ने पशुओं के लिए गोशाला बनाई है, जिसमे 38 कच्ची और 7 पक्की गोशालाएं हैं | दूध का दैनिक ओसत उत्पादन 169 लीटर है एवं पशुओं का दैनिक व्यर्थ(गोबर) पदार्थ 758 किलोग्राम है|गाँव में 48 गायें, 6 भैंसें, 22 बकरियां/ भेड़ें, 4 बैल और 9 मुर्गे/ मुर्गियां हैं|

विशेष	**गाँव के आंकड़े**
कुल पशु	98
पशु:क्रमशःगायें, भैंसें, भेड़ें/बकरियां,बैल, मुर्गियां	48,6, 22, 4, 9
पक्का आवास	7
कच्चा आवास	38
खुला आवास	18
दूध का दैनिक ओसत उत्पादन(ली.)	169
पशुओं का दैनिक व्यर्थ(कि.ग्रा.)	758

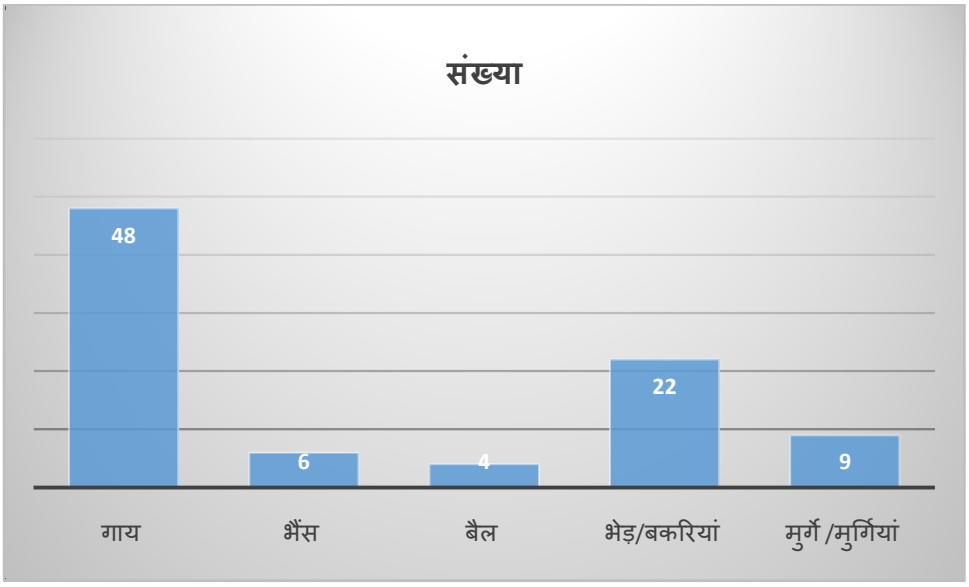

2.6 आजीविका का साधन(Livelihood economics)

- **स्थानान्तरण**

  भारत की स्थिति के अनुसार स्थानान्तरण लगातार बढ़ता जा रहा है| इससर्वेक्षण में पाया गया कि जो लोग सरकारी तथा निजी उद्योगों में लगे हुए हैं वो कुछ समय के लिए घरों से स्थानांतरितहोते हैं, एवंकुछ लोग स्थाई रूप से अपने गाँव को छोड़ कर वहीं रहने लगते हैं जहाँ वे नौकरी करते हैं|इस गाँव के लगभग 25से 30 लोग गाँव से बाहर कार्य करते हैं|

- **व्यावसायिक प्रतिरूप**

काम	पुरुष	महिलाएं
अपनी भूमि पर खेती	2	0
मजदूरी करने वाले	22	1
सरकारी नौकरी वाले	21	4
प्राइवेट नौकरी वाले	29	2
कुछ ना करने वाले(दूसरों पर निर्भर)	82	131
व्यवसाय करने वाले	10	0

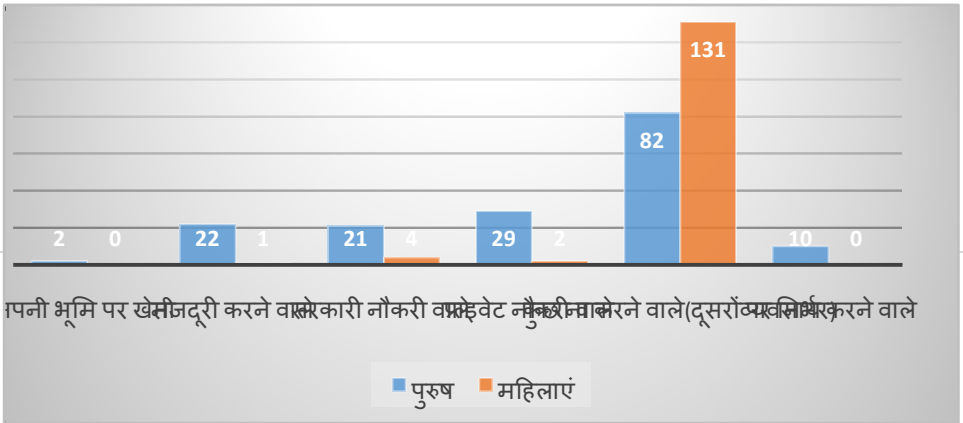

➢ **जाति के आधार पर प्रति परिवार वार्षिक औसत आय**

जाति	औसत वार्षिक आय(रु.)
एस.सी.	0
एस.टी.	112500
ओ.बी.सी.	198195
सामान्य	207250

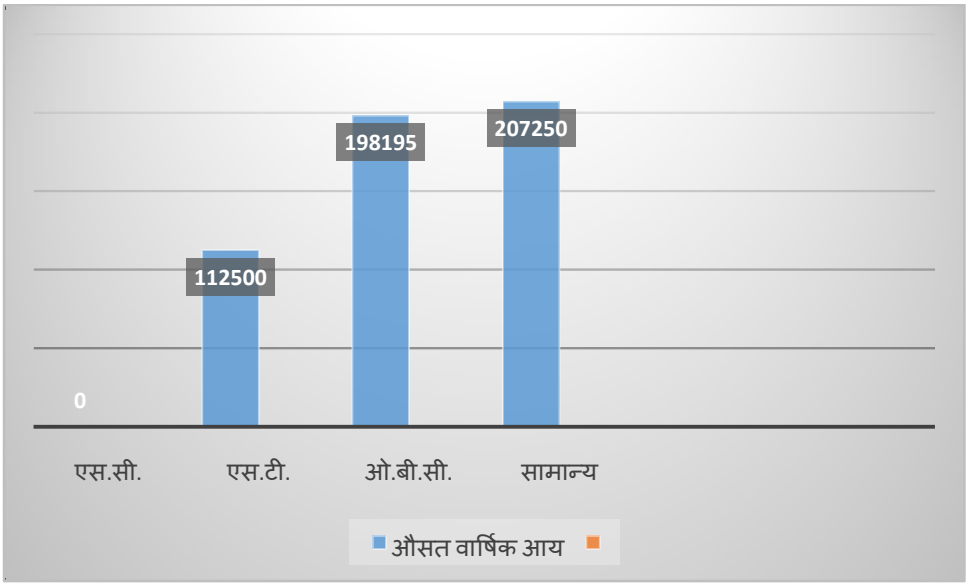

2.7 ऊर्जा के स्त्रोत

➢ **सामान्य जानकारी**

जाति	कुल परिवार	बिजलीकनेक्शन के लिए पंजीकृतपरिवार	प्रतिशतता
एस.सी.	0	0	0
एस.टी.	2	2	100%
ओ.बी.सी.	39	39	100%
सामान्य	46	46	100%
कुल	**87**	**87**	**100%**

गाँव में बिजली की किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है| यहाँ पर बिजली की आपूर्ति 24 घंटे रहती है| बिजली जाने की कोई ज्यादा समस्या नहीं है परन्तु इस क्षेत्र में बिजली की वोल्टेज में थोड़ा उतार चढ़ाव होता है|इसके अतिरिक्त लोगों काकहना है कि कभी-कभी बिल ज्यादाआ जाता है|

- **बिजली के स्त्रोत और गाँव में प्रयोग**

बिजली के स्त्रोत	घर	प्रतिशतता
विद्युत	87	100%
मिट्टी कातेल	0	0
सौरऊर्जा	0	0
अन्य	0	0
कुल घर	**87**	

- **गाँव में खाना पकाने के लिएप्रयोग किये जाने वाला इंधन (घरों की संख्या)**

जाति	मिट्टी का तेल	गैस(LPG)	बायोगैस	लकड़ी	गोबर
एस.सी.	0	0	0	0	0
एस.टी.	0	0	0	2	0
ओ.बी.सी.	0	9	0	30	0
सामान्य	0	7	0	39	0

गाँव मेंएक-दो परिवारों को छोड़ कर लगभग सभी के घरों में एल.पी.जी. गैस है, लेकिन गाँव में लकड़ी प्रयाप्तहोने के कारण लोग गैस का कम प्रयोग करते हैं और लकड़ी का ज्यादा प्रयोग करते हैं| गाँवमेंकुछ लोग खाना बनाने के लिए बिजली का भी प्रयोग करते हैं|

- **गाँव में भोजन पकाने के लिए चूल्हे का प्रयोग(परिवारों की संख्या)**

जाति	कुल परिवार	परंपरागत चूल्हा	धुआं रहित चूल्हा
एस.सी.	0	0	0
एस.टी.	2	2	0
ओ.बी.सी.	39	29	10
सामान्य	46	33	13
कुल	87	64	23

.

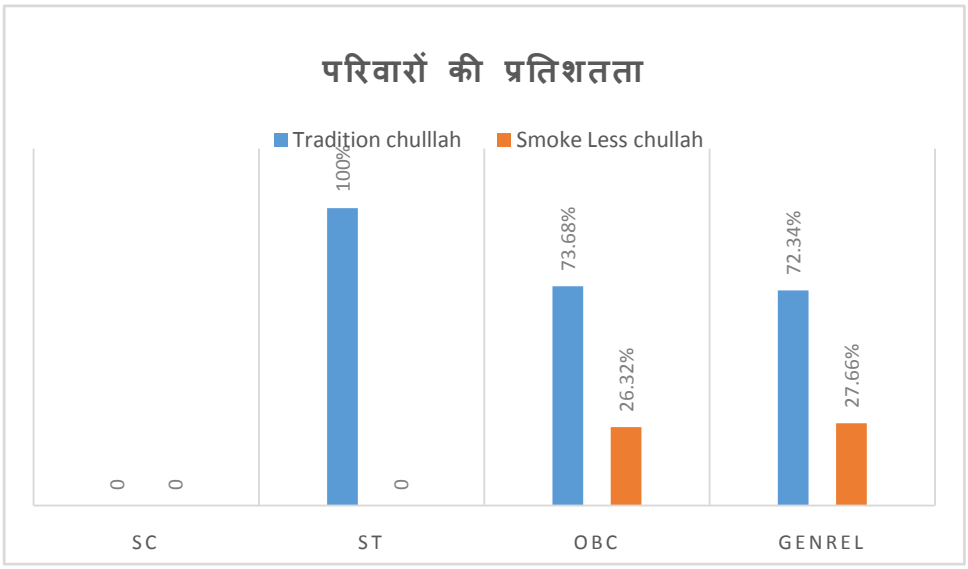
परिवारों की प्रतिशतता
Tradition chulllah
Smoke Less chullah
0
0
100%
0
73.68%
26.32%
72.34%
27.66%
SC
ST
OBC
GENREL

अध्याय-3

गाँव विकास के चरण

3.1 गाँव में लोगों द्वारा बताई गई समस्याएं

सर्वेक्षणके दौरान लोगों द्वाराजो समस्याएं बताईगईं वे इस प्रकार हैं:

- आवारा तथा जंगली जानवरों की समस्या
- सिंचाई की समस्या
- बस सुविधा न होना
- सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध न होना
- गाँव के मध्य कोई डिस्पेंसरीन होना
- बेरोजगारी की समस्या
- रोजगार के लिए पलायन
- पीने के पानी की समस्या

सतत विकास के लक्ष्यों के आधार पर और पांच साल की अवधि के लिए योजना के प्रभाव को मापने के लिए संकेतकों के साथ कुछ लक्ष्यों की पहचान की गई है| गाँव के विकास के लिए कुछ बिंदु निर्धारित किये गए हैं जिनके आधार पर गाँव के विकास की योजना बनाई गई है |

लक्ष्य तालिका

क्र. स.	कार्य	समय अवधि	स्त्रोत/ एजेंसी	गाँव का योगदान
1	स्वयं सहायता समूह बनाना| इसके साथ सरकारी योजनाओं की जानकारी देना|	6 महीने	सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाएं के साथ मिलकर कार्य करना|	गाँव के लोगों के समूह बनाना तथा समूह बनाने के लिए सहायता लेना|

2	पानी (पीने का)	6 महीने	जल विभाग के साथ मिलकर	
3	सिंचाई के लिए पानी	1 साल	कृषि विभाग,PWD,IPH के साथ मिलकर	
4	कृषि में आवारा तथा जंगली जानवरों की रोक के लिए कार्य करना	6 महीने	कृषि विभाग	
5	शिक्षा	6 महीने	सरकार तथा गैर सरकारी संस्थाएं	गाँव के पढ़े-लिखे लोगों द्वारा बच्चों को पढ़ानेमें सहायता लेना|
6	स्वच्छता	1 साल	जिला प्रशासन तथा विश्वविद्यालय के साथ मिलकर	लोगों के द्वाराही गाँव के लिए स्वच्छताकार्य करवाना|
7	पर्यावरण सरंक्षण	6 महीने	जिला प्रशासन तथा विश्वविद्यालय के साथ मिलकर	पर्यावरण सुरक्षा के लिए लोगों से कार्य करवाना|
8	यातायात (बस सुविधा हेतु)	6 महीने	लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर कार्य करना	

3.2 प्रथम चरण के कार्य

- **गाँव में स्वयं सहायता समूहों का निर्माण करना**: सर्वेक्षण के दौरान देखा गया कि गाँवमेंकिसी भी प्रकार का कोई समूह नहीं है| अतः गाँव में प्रथम चरण मेंस्वयं सहायता समूह निर्माण का कार्य किया जाएगा|

गाँव में चार प्रकार के समूहों का निर्माण करना है:

- कृषि समूह
- युवा क्लब
- सेवानिवृत कर्मचारियों का समूह
- महिला समूह

गाँव में सबसे पहले समूह निर्माण का कार्य किया जाएगा ताकि लोगों को समूहों के माध्यम से इकट्ठा किया जा सके| इन समूहों के निर्माण में विभिन्न विभागों की सहायता ली जाएगी| जैसे:

- कृषि समूहों के निर्माण में कृषि विभाग की सहायता ली जाएगी|
- युवाक्लब के निर्माण में नेहरु युवा केंद्र की सहायता ली जाएगी|
- अन्य समूहों के निर्माण में नाबार्ड का सहयोग प्राप्त किया जाएगा|
- जो लोग हाथ द्वारा वस्तुओं का निर्माण करते हैं उनके समूह बनाना तथा उनको वस्तुओं के निर्माण की नयीतकनीकबताना|
- महिला समूहों के निर्माण में गैर सरकारी संस्थानों तथा सरकारी संस्थानों की सहायता ली जाएगी|

समूह निर्माण के उद्देश्य:

1. कृषि समूह का उद्देश्य:
    - कृषिसमूहों में कृषि सम्बन्धी नई योजनाओं को बताने में आसानी|
    - नई कृषि तकनीकों को बताना|
    - किसानों को समृद्धशाली बनाना|
    - फसलों का सरंक्षण|
    - बैठक करने में आसानी|
    - उत्पादन का निर्यात उचित मूल्य पर हो|
2. युवा क्लब का उदेश्य :
    - खेलों के साथ जोड़ना|
    - नशों से दूर रखना|

- समाजसेवा का भाव जागृत करना|
- संस्कारितबनाना|
- नवयुवक तथा नवयुवतियों का कौशल विकास करना|

3. सेवानिवृत कर्मचारियों के समूह का उद्देश्य:
   - सेवानिवृत कर्मचारियों कीयोग्यता का गाँव कीसमृधि में प्रयोग करना|
   - नईपीढ़ी को क्षमतावान बनानेका कार्य करना|
   - गाँव की समस्याओं के लिए कार्य करना|
4. महिला समूह का उद्देश्य:
   - महिला सशक्तिकरण|
   - महिलाओं में आत्मनिर्भरताको बढ़ाना| (महिलाओंको लघु कुटीर उद्योगों के साथ जोड़ना ताकि आर्थिक स्थिति ठीक हो|)
   - नेतृत्व क्षमता को बढ़ाना|

इन सभी समूहों के बनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में एकता/सामूहिकता तथा जागरूकता उत्पन्न की जा सके|

- **स्वच्छ पानी :**
  - पीने के स्वच्छ पानी की उपलब्धता को बढ़ाना|
  - पानी के संरक्षण सरंचना क्षेत्र को बढ़ाना|

3.3 दूसरे चरण के कार्य

➢ कृषि क्षेत्र में करने योग्य कार्य

सर्वेक्षण के दौरानगाँव में पाया गया किउत्पादनपहले की तुलना कम हो रहा है| गाँवमें यह भी देखा गया कि कृषि योग्य भूमि का दायरा सीमितहोता जा रहाहै, घटती दर से लोगकृषिक्षेत्र से पलायन करने लगे हैं | कृषि क्षेत्र में सर्वप्रथम करणीय कार्य इस प्रकार हैं|

- मिट्टी का परीक्षण: किसानोंको मिट्टी परीक्षण करवाने के लिए तैयार करना, ताकिउनको को पता चल सके कि मिट्टी में कौन-कौन से तत्व हैं और किन- किन तत्वों की कमी है|
- जैविक खेती: किसानोंको जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करना|जैविक खेती का परीक्षण देना|
- केंचुआ खाद का परीक्षण देना
- नकदी फसलों को लगाने के लिए तैयार करना: यहाँ लोग नकदी फसलों की खेती शुन्य के बराबर करते हैं | नकदी फसलों के उत्पादन से लोगों की आय का साधन बढ़ेगा|
    - मशरूम तैयार करने की विधि बताना|
    - पाली हाउस बनाने के लिए लोगों कोतैयार करना, यह कार्य सरकार के साथ मिलकर करना|
    - जिमीकंद की सब्जी लगाने के लिए लोगों को तैयार करना|
- किसानों की जागरूकता के लिए समय- समय पर कृषि परीक्षण शिविरों का आयोजन करना|
- पशु पालन: किसानों को पशु पालनसम्बन्धी जानकारी देना तथा उनके फायदे बताना| लोगों को पशु पालन के लिए प्रोत्साहित करना| ताकि लोग पशुओं के पालन से अपनी आजीविका चला सकें|
    - दूध उत्पादन
    - पशुओं के गोबर के प्रयोग के बारे में बताना|
- किसानों को उन्नत तथा नई तकनीकों के बारे में अवगत करना|
- सिंचाई के लिए सिंचाई साधन उपलब्ध करना:
    - लोगों के घर से निकलने वाले पानी को इकट्ठा करवाना|
    - बरसात के पानी को सरकार की मदद से एकत्र करने के लिए कार्य करना ताकि इसका प्रयोग सिंचाई के लिए किया जा सके|
    - जलाड़ी गाँव में एक नाला है जिसमें साल भर पानी रहता है उस पर चैक डैम बनाकर पानी को सिंचाई के लिए उठाना|

- स्थानीय स्तर के कौशल का आधुनिकिकरण करना|
- आवारा पशुओं तथा जंगली पशुओं की रोकथाम के लिए सरकार के साथ मिलकर कार्य करना|

  ये सभी कार्य विश्वविद्यालय द्वारा सरकार तथा गैर सरकारी संस्थाओं के सहयोग से गाँव के लिए किये जायेंगें |
- औषधीय पौधों की खेती|

  इन क्षेत्रों में किये जाने वाले कार्यों के महत्वपूर्ण लाभ :

  - बेरोजगारी को कम कर रोजगार को बढ़ाना|
  - पलायन को रोकना|

- **सामाजिक परिवर्तन**

  - लोगों के व्यव्हार में परिवर्तन करना|
  - श्रमदान के लिए प्रेरित करना|
  - जात-पात को कम करने के लिए कार्य करना|
  - स्वयं सहायता तथा पारस्परिक सहायता के लिए गाँव वालों को प्रेरित करना|
  - मर्दों की औरतों के प्रति सोच को बदलने के लिए प्रयास करना|
  - गाँव के लोगों को गाँव की सम्पति को नुकसान ना पहुँचाने के लिए जागरूक करना|

- **शिक्षा**

  शिक्षा के क्षेत्र में किए जानेवाले कार्य

  - समृद्धपरिवारों के लोगों को गरीब घरों के बच्चों की शिक्षा में मदद के लिए तैयार करना|
  - गाँवमें स्थित सरकारी स्कूल की स्थिति में सुधार के लिए सेवानिवृत कर्मचारियों को प्रेरित करना ताकि स्कूल की दशा में सुधार हो सके|
  - गाँवमें स्थित प्राथमिक पाठशाला को मॉडल पाठशाला बनाने के लिए सरकार तथा लोगों के पारस्परिक सहयोग से कार्य करना , ताकि गाँव

के लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाएं जिससे शिक्षा में ज्यादा खर्च ना आए|

- गाँवके बच्चों के लिए गाँव में संस्कार केंद्र खोलना ताकि बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ गुणात्मक शिक्षा भी प्राप्त कर सकें|
- लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए लोगों का मन बनाना|
- समय-समय पर स्कूल में बच्चों के लिए प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन करना|
- गाँवमें स्थित प्राथमिक स्कूल में अध्यापकोंतथाछात्रों की हो रही कमी के लिए लोगों को जागरूक करना|
- शिक्षा के साथ-साथ स्कूलों में खेलों को बढ़ाने के लिए कार्य करना|

➢ स्वास्थ्य

गाँव में स्वास्थ्य सम्बन्धी किये जाने वाले कार्य

- गैर सरकारी तथा सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर गाँव में स्वास्थ्य निरीक्षण शिविरों का आयोजन करना|
- गाँव में लोगों को बिना दवाई के प्रयोग से उपचार के तरीके जैसे (योग, एक्युप्रेशर) के बारे में जानकारी देना|
- गाँवमें आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताके साथ मिलकर समय समय पर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना|
- पोषण तथा संतुलित आहार के बारे में जानकारी देना| इसमेंचिकित्सकों की सहायता लेना|
- गाँवमें आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी के लिए गाँव के लोगों के साथ मिलकर स्वास्थ्य विभाग से बात करना|

➢ पर्यावरण सरंक्षण तथा स्वच्छता

जंगलों के लिए किये जाने वाले कार्य:

- वृक्ष रोपण के लिए लोगों को जागरूक करना|
- वनों में आग न लगाने के लिए कहना|
- वन विभाग की सहायता से वनों में औषधीय पोधों को लगाना|
- पेड़ों के नकाटने के लिएकाम करना|

- ऊर्जा के लिए किये जाने वाले कार्य:
  - कम ऊर्जा खर्च करने वाले उपकरणों के प्रयोग के लिए जागरूक करना|
  - सौर ऊर्जा के प्रयोग की जानकारी देना|
  - स्ट्रीट लाइट के लिए सरकार के साथ मिलकर कार्य करना|
- रासायनिक खादों के दुरूपयोग के प्रति जागरूक करना|
- ठोस तथा द्रव्य व्यर्थ पदार्थों का सही प्रबंधन|
- खुले में शौच न करने के लिए लोगों को बताना|
- बायोगैस के प्रयोग के लिए लोगों को जागरूक करना|

- **यातायात**

  गाँव वालों के साथ मिलकर गाँव के लिए प्रशासन के साथ बस की सुविधा के लिए कार्य करना|

- **सरकारी योजनायें**

  गाँव वालों को सरकार द्वारा चलायी जाने वाली योजनाओं के बारे में बताना|

समय अवधि

प्रथम चरण के कार्यों तथा जागरूकता शिविरों के लिए समय दो सा ल तक लगेगा| दूसरे चरण के कार्यों के लिए समय तीन साल लगेगा| कुल समय पांच साल होगा| अगर गाँव केविकास के लिए पांच साल का समय कम हो जाये तो समय विस्तार की अनुमति दी जाये|

नोट : यहसभी कार्य सरकार तथा गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर गाँव के लोगों के द्वारा ही किये जायेंगें| इसके लिए उन्नत भारत अभियान इन सबकार्यों के लिए सहायता करेगा| अगर गाँव का सच में विकास करना है तो उन्नत भारत अभियान को इसमें भरपूर सहयोग करना होगा|